भारत सरकार
(पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम विज्ञान केंद्र
बिरसा मुंडा विमानपत्तन,
रांची ,झारखण्ड,पिन-834002

GOVERNMENT OF INDIA
(MINISTRY OF EARTH SCIENCES)
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
METEOROLOGICAL CENTRE
BIRSA MUNDA AIRPORT,
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002

दूरभाष/Telephone: 0651-2970311
ई-मेल (e-mail) : metranchi@gmail.com, metranchi.fs@gmail.com, mc.rnc@imd.gov.in,

---

प्रेस विज्ञप्ति दिनांक: 13.07.2025

विशेष बुलेटिन- 05

विषय: झारखण्ड में दिनांक 13 जुलाई से 16 जुलाई के लिए भारी वर्षा की प्रभाव आधारित चेतावनी

मौसम प्रणाली (Synoptic System): (0830 IST के अनुसार)

- पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा तटों से सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। इसके प्रभाव में, अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र (Low Pressure Area) बनने की संभावना है।
- ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी मध्य प्रदेश और आसपास के मध्य भागों पर बना हुआ है और औसत समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से, अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र (Low Pressure Area) बनने की संभावना है।
- औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका (Monsoon Trough) अब बीकानेर, ग्वालियर, बांदा, सीधी, जमशेदपुर, दीघा से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व तक जाती है और औसत समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर तक फैली हुई है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकती है।

➢ **प्रभाव :**

इन मौसमी प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से झारखंड के कुछ जिलों में अगले 4 दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। जनता से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। इस दौरान वज्रपात और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) की भी संभावना है।

भारी वर्षा से प्रभावित होने वाले जिले :

दिनांक	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, गुमला, हज़ारीबाग, खूंटी तथा रामगढ)	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ)	उतर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा,चतरा, कोडरमा, लातेहार तथा लोहरदगा)	उतर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज)
13.07.25	राज्य के राँची, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, सरायकेला खरसावाँ, पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, बोकारो, धनबाद तथा जामतारा जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
14.07.25	राज्य के गुमला, सिमडेगा, खूंटी एवं पश्चिमी सिंघभूम जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के सरायकेला खरसावाँ, पूर्वी सिंघभूम, राँची, लोहरदगा , धनबाद ,जामतारा, गिरिडीह तथा देवघर जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
15.07.25	राज्य के पलामू, चतरा, लातेहार एवं हजारीबाग जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के राँची, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामतारा,दुमका, देवघर, गिरिडीह तथा कोडरमा जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
16.07.25	राज्य के पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा एवं गिरिडीह जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के बोकारो, धनबाद, जामतारा एवं देवघर जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			

भारी वर्षा वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है।

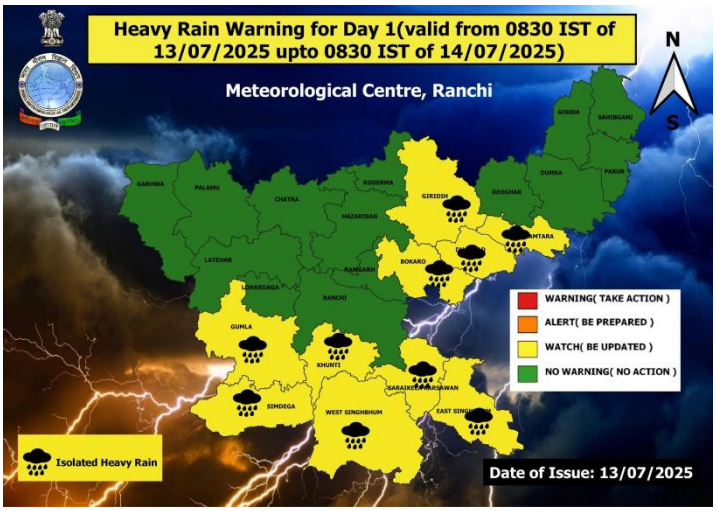

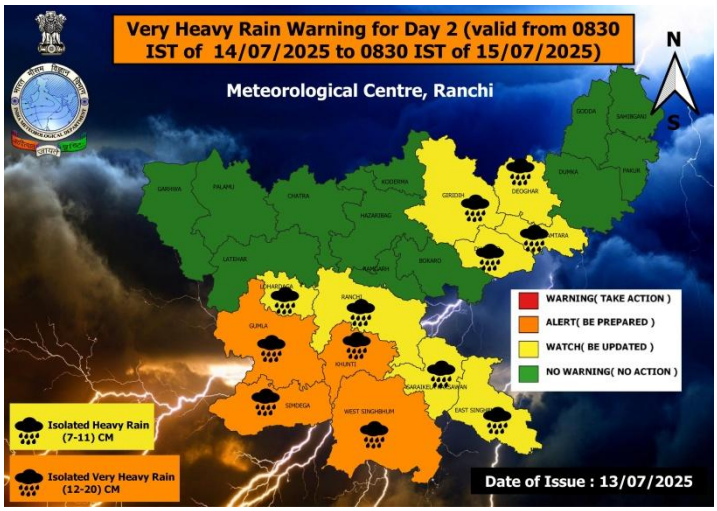

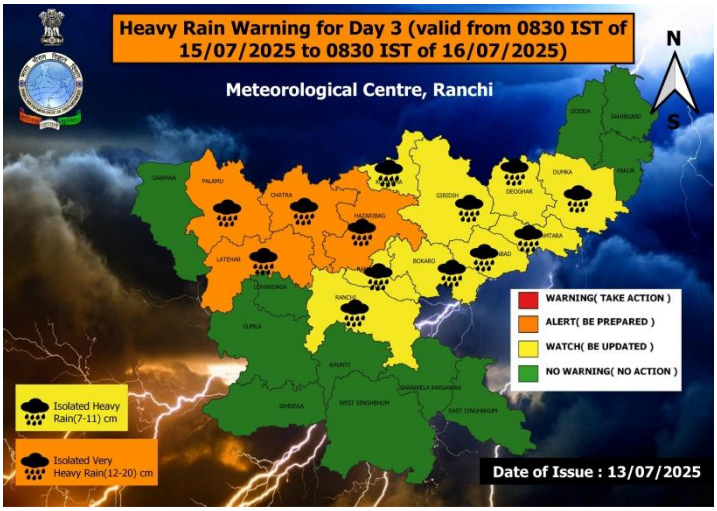

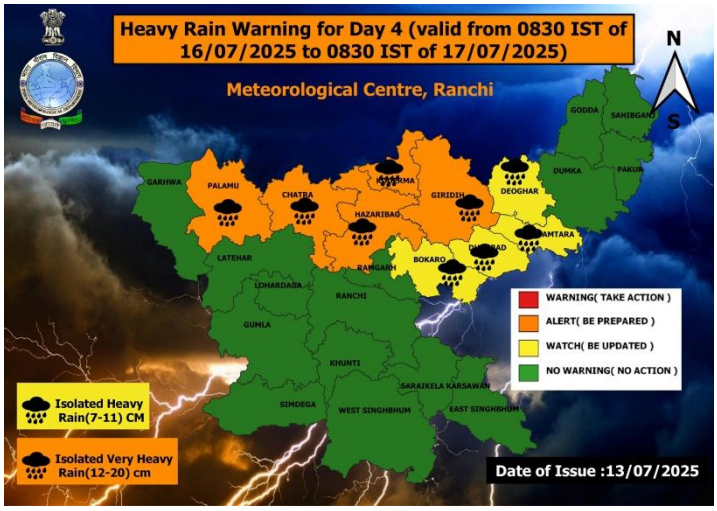

सम्भावित प्रभाव:

नारंगी रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए:

1. कई स्थानों पर भारी वर्षा या तीव्र वर्षा के कारण भूस्खलन।

2.पहाड़ियों में कुछ घंटों से लेकर कई दिनों तक आपूर्ति और परिवहन कुछ स्थानों पर प्रभावित रहेगा।

3.कृषि और बागवानी फसल और वृक्षारोपण को मामूली क्षति।

4. जीवन और संपत्ति के नुकसान के अलग-अलग मामले।

पीले रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए:

1.कृषि और बागवानी फसल और वृक्षारोपण को मामूली क्षति।

2. निचले इलाकों में जलजमाव।

अतः मौसम केंद्र ,राँची द्वारा बताए गए निम्न बातों का ध्यान रखें :

नारंगी रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए परामर्श :

- मछली पकड़ने/कैम्पिंग या किसी अन्य गतिविधि के लिए नदी में जाने से बचें;
- छप्पर वाले घरों का निर्माण मजबूत होना चाहिए और तेज हवाओं/भूस्खलन को झेलने में सक्षम होना चाहिए;
- बिना समय बर्बाद किए भूस्खलन पथ या निचली घाटियों से तुरंत दूर चले जाएं;
- निर्माण और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने से बचने का प्रयास करें;
- खड़ी ढलानों और जल निकासी पथ के पास घर न बनाएं;
- जानकारी के लिए रेडियो या टेलीविजन सुनें;

पीले रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए परामर्श :

- नालियों को साफ रखें, कूड़े, पत्ते, प्लास्टिक की थैलियां, मलबा आदि के लिए नालियों का निरीक्षण करें;
- बहते पानी में न चलें। छह इंच बहता पानी आपको गिरा सकता है। अगर आपको पानी में चलना ही है तो वहां चलें जहां पानी न बढ़ रहा हो।
- अपने सामने जमीन की मजबूती की जांच करने के लिए एक छड़ी का उपयोग करें;
- जानकारी के लिए रेडियो या टेलीविजन सुनें।

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची